

स्रोत

संपादन एवं संचालन

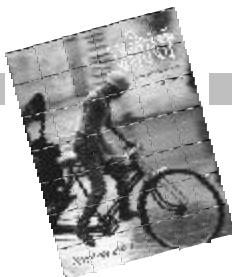
एकलव्य

ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोन: 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017

ई-मेल:srote@eklavya.in

www.eklavya.in



विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

फरवरी 2009

वर्ष-3 अंक-1(पूर्णांक 241)

संपादक	लिंग अनुपात : क्या कानून बेअसर है?	2
सुशील जोशी	सूखी धरती को कितना उलीचे	2
प्रबंध संपादक	फ्लैट स्क्रीन टी.वी. और पर्यावरण	3
राजेश उत्साही	आधुनिक रिक्शे	4
सहायक संपादक	बैकटीरिया फायदा भी पहुंचाता है मेजबान को	6
अफसाना पठान	क्या कुत्ते हमारी भावनाएं ताड़ लेते हैं?	6
अम्बरीष सोनी	बोर हो गए मतलब क्या?	7
उत्पादन सहयोग	हम उबासियां क्यों लेते हैं?	7
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर	जाला नहीं रेशम बनाती थी, यह मकड़ी	10
राकेश खत्री कमलेश यादव	डॉल्फिन पृथ्वी के घूर्णन को महसूस करती हैं	11
वार्षिक चंदा 150 रुपए	अंधी दृष्टि भी कोई चीज़ होती है	12
एक प्रति 15 रुपए	शिक्षा का अधिकार	13
चंदे की रकम कृपया एकलव्य,	शिक्षा का अधिकार - एक अलग नज़रिया	19
भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या	लुढ़ककर जान बचाती है यह मकड़ी	21
मनीओर्डर से भेजें।	चीटियां जानती हैं भीड़भाड़ का समाधान	22
राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना	गुमशुदा तिथियां	23
	महिला वैज्ञानिक सकारात्मक उपायों की ज़रूरत	26
	अमीर-गरीब के दिमाग में अंतर होता है क्या?	29
	टेक्नोक्रेसी के खतरे	डॉ. अमन मदान 30
	सहजन यानी जन-जन का पेड़	डॉ. किशोर पंवार 33
	भोजपत्र पता है या छाल?	डॉ. किशोर पंवार 35
	प्रयोगशाला में जीवन का निर्माण	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन 37
	दो आंखें गहराई भी देखती हैं	एस. अनंतनारायणन 39

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.प. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।